

-2-

4. क्या पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के अन्तर्गत मन्जूरी आवश्यक है ? (हां/नहीं) नहीं
5. प्रतिपूरक वनीकरण करने तथा उसके अनुरक्षण और या दण्ड स्वरूप प्रतिपूरक वनीकरण की लागत के साथ-साथ राज्य सरकार द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार संरक्षण लागत और सुरक्षा क्षेत्र आदि में पुनः वनीकरण की वचनबद्धता (वचनबद्धता संलग्न की जाये) संलग्न है।
6. निर्देशों के अनुसार संलग्न अपेक्षित प्रमाण पत्रों/दस्तावेजों का व्यौरा। संलग्न है।

दिनांक 04/09/17
स्थान -रुद्रप्रयाग

प्रान्तीय स्तर पर
अधीनस्थ अधिकारी
प्रान्तीय स्तर पर
रुद्रप्रयाग
नि० वि०

प्रस्ताव की क्रम संख्या.....

(प्राप्ति की तारीख के साथ नोडल अधिकारी द्वारा भरा जाएगा)

क्षतिपूरक वृक्षारोपण का प्रमाण पत्र

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

प्रमाणित किया जाता है कि क्षतिपूरक वृक्षारोपण

ग्राम सभा जैली की सिविल सोयम भूमि में किया जायेगा।



कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग



सहायक अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग



अधिशाली अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
ग्राम्तीय खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

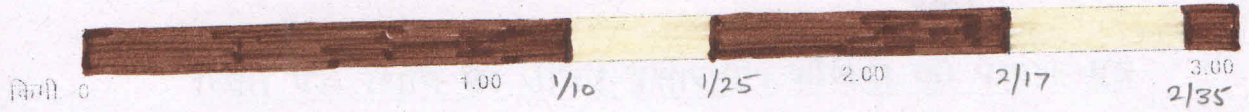
वृक्षारोपण कार्य योजना प्रमाण पत्र

आज दिनांक 16-7-14 को ग्राम सभा तैला की बैठक में सर्व सम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया गया कि हैक्टयर वृक्षारोपण सिविल क्षेत्र में किया जायेगा। प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित।



परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड- जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

बारचार्ट



चैनैज	भूमि का प्रकार	लम्बाई
0/0 - 1/10	नाप भूमि	1250 मीटर
1/10 - 1/25	सिविल भूमि	375 मीटर
1/25 - 2/17	नाप भूमि	800 मीटर
2/17 - 2/35	सिविल भूमि	450 मीटर
2/35 - 2/40	नाप भूमि	125 मीटर

आरक्षित वन भूमि	0.0000 है०
सिविल एवं रोडम वन भूमि	0.7425 है०
कुल वन भूमि	0.7425 है०
नाप भूमि	1.9575 है०

11
12

अधिसारी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड लोकनि०वि०
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

रिक्त पड़े स्थान पर उचित वृक्षारोपण योजना का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित मोटर मार्ग के आस-पास रिक्त पड़े स्थानों पर उचित वृक्षारोपण हेतु बॉधित धनराशि वन विभाग को उपलब्ध करायी जायेगी।



कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग



सहायक अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग



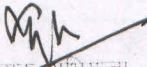
अभिमान अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

दस गुनी संख्या में वृक्षारोपण का प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि उक्त परियोजना से प्रभावित होने वाले वृक्षों की दस गुनी संख्या में वृक्षारोपण करने हेतु आवश्यक धनराशि वन विभाग के पक्ष में जमा करा दी जायेगी।


कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग


राज्य अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग


अधिशोषी अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग

अनापत्ति प्रमाण पत्र (किल्ला 6 विभाग हजिलि)
 जैली अर्थात् लैंग मोटर मार्ग पर डि० ४१० ०२ ल
 आगे जो सर्वेक्षण परिवर्तित किया गया है उस पर
 किसी प्रकार का अज्ञात राज नहीं है - ब्रान्ड लैंग
 निलिगलैकिनी की बखलाएँ के कोई आपत्ति नहीं

हस्ताक्षर

फिर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

हस्ताक्षर

Photo Copy Attested
 [Signature]
 AG



परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

परियोजना की लम्बाई-चौड़ाई का प्रमाण-पत्र।

प्रस्तावित परियोजना हेतु वन भूमि की लम्बाई 825 मीटर, चौड़ाई 9 मीटर, 7425 वर्ग मीटर अर्थात् 0.7425 हे० है।



कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग



सहायक अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग



अधिशोषी अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

वैकल्पिक समरेखणों को निरस्त किये जाने का प्रमाण-पत्र।

उपरोक्त मोटर मार्ग के निर्माण हेतु वैकल्पिक समरेखण रखा गया है। परन्तु प्रस्तावित समरेखण में एच पी बैण्ड अधिक हैं, जिस कारण स्थानीय जनता /जनप्रतिनिधि द्वारा उक्त समरेखण पर असन्तोष व्यक्त किया गया है।


कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग


सहायक अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग


अभिधायक अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष
उत्तराखण्ड लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

भू - गर्भीय निरीक्षण आख्या एस0जी0-474 / सड़क / पुल समरेखण / गड़वाल / 2013

जैली- मरगाव -तैला मोटर मार्ग जनपद, रुद्रप्रयाग के समरेखण स्थल की
भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

मान्य अभि. (आ.)

29/11

अ.र.

29/11

29-नवम्बर--2013

जैली- मरगांव - तैला मोटर मार्ग जनपद, रुद्रप्रयाग के समरेखण स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या।

विजय डंगवाल

29.11.2013

1 प्रस्तावना :- प्रांतीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, रुद्रप्रयाग, जिला रुद्रप्रयाग द्वारा जखौली ब्लॉक के अन्तर्गत 3 किमी० की लम्बाई में जैली- मरगांव -तैला मोटर मार्ग का नव निर्माण कार्य राज्य योजना द्वारा किया जाना प्रस्तावित है। ई० इन्द्रजीत बोस, अधिशासी अभियन्ता, प्रांतीय खण्ड, लो०नि०वि०, रुद्रप्रयाग के अनुरोध पर प्रस्तावित मार्ग के समरेखण स्थल का भूगर्भीय निरीक्षण, अधोऽन्वेषण द्वारा दिनांक 19.10.2013 को, ई० एस०एस० शाह, सहायक अभियन्ता एवं ई० विनेश कुमार, कनिष्ठ अभियन्ता की उपस्थिति में किया गया।

2 स्थिति :- प्रस्तावित मार्ग का समरेखण पूर्व स्वीकृत जैली- मरगांव - तैला मोटर मार्ग के किमी 5 से प्रारम्भ होता है तथा अपनी पूर्ण लम्बाई के ग्राम तैला एवं वाड गांव को मोटर मार्ग से जोड़ेगा।

3 भूगर्भीय स्थिति :- भू-गर्भीय स्थिति के अनुसार प्रस्तावित मार्ग का समरेखण स्थल गढ़वाल क्षेत्र में स्थित इनर लेसर हिमालय जोन में अवस्थित है, जिसमें मुख्यतः क्वार्ट्जाइट्स, फिलाइट्स, मेटाबेसिक्स एवं डोलोमाइट्स डानटा एवं गढ़वाल ग्रुप के शैल विद्यमान हैं। समरेखण स्थल के उत्तरी क्षेत्र से मेन सैन्ड्रल थ्रस्ट गुजरता है, जिसका प्रभाव इस क्षेत्र के शैलों पर स्पष्ट दृष्टिगोचर है। जैली-मरगांव-तैला के क्षेत्र में अधिकांशतः क्वार्ट्जाइट एवं मेटाबेसिक शैल विद्यमान हैं, जिनका कि स्थल पर आंशिक रूप से अपवर्तन हुआ दृष्टिगोचर है। समरेखण स्थल एवं इसके समीपवर्ती क्षेत्र में अवस्थित शैल अधिकांशतः डिफार्मड प्रवृत्ति (गुण धर्म) के हैं तथा यह चार प्रमुख संधियों द्वारा विभक्त हैं, जो कि परस्पर क्लोजली स्पेस्ड ज्वाइंट्स हैं तथा यदा कदा सेकेंडरी इनक्लूजन द्वारा भरे हुए हैं। प्रस्तावित मार्ग के समरेखण स्काज के ऊर्ध्व ढाल सामान्य से तीव्रतम तीव्रता लिए हुए 30° से 65° के कोण पर उत्तर एवं दक्षिण-पश्चिम दिशा में झुके हुये हैं तथा अधिकांशतः इन अवस्थित शैलों के ऊपर मोटे प्रस्तर के ओवर बर्न/डिज वॉश मैटेरियल यथा कम्पोजिट सॉयल का जमाव दृष्टिगोचर है। ढालों पर जमा हुआ ओवरबर्न मैटेरियल प्राकृतिक रूप से जोस है तथा इसकी "अनड्रेन्ड शिपर स्ट्रेन्थ" को कन्सिडरेंसी समरेखण के विभिन्न स्थलों पर उच्च आंकी गई है। समरेखण स्थल एवं इसके दोनों ओर के ढालों पर अवस्थित कम्पोजिट सॉयल में मुख्यतः रॉक विफ्ट क्ले मैट्रिक्स में जमे हुए हैं।

समरेखण स्थल में दृष्टिगोचर अवस्थित शैलों पर किये गये अध्ययन के अनुसार इन शैलों की यूनिएक्सियल कम्प्रेसिव स्ट्रेन्थ मेनुअल इन्डेक्स के अनुसार 20 M Pa से 50 M Pa तक आंकी गई है। इन शैलों का वेदरिंग ग्रेड W0 से W1 तक तथा इनकी रॉक क्वालिटी डिजिनेश (RQD) के प्रतिशत की गणना 40 % से 50 % तक की गई है। इन क्वार्ट्जाइट्स की संधियों (Rock Defect Sets) का विवरण निम्न है:-

Table

S.No	Feature	Dip angle	Dip Direction
1	J ₁ (S0 bedding joint)	52°	N210
2	J ₂ Joint	78°	N115
3	J ₃ Joint	58°	N335
4	J ₄ Joint	45°	N045

समरक्षण स्थल के ढालों पर अवस्थित ओवरबर्डन मैटेरियल प्राकृतिक रूप से क्रोम्बेस्ट है तथा इसमें डिस्पर्सिव एवं सॉफ्ट सॉयल्स की मात्रा नगण्य है।

वर्तमान में समरक्षण स्थल के ढाल स्थिर प्रतीत होते हैं तथा इन ढालों पर कहीं भी भू-प्रसरण / भू-स्खलन दृष्टिगोचर नहीं है।

समरक्षण क्षेत्र की भू-गर्भीय स्थिति, भू-तकनीकी आकलन, भू-आकृति एवं उसके प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निम्न सुझाव दिये जा रहे हैं, जिन्हें प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मिलित किया जाना आवश्यक है।

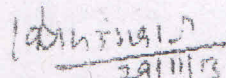
4. सुझाव :-

1. मार्ग का निर्माण, हाफ कट-हाफ फिल द्वारा किया जाए साथ ही फिल मैटेरियल को अच्छी तरह क्रोम्बेस्ट किया जाए।
2. सम्पूर्ण मार्ग (रोड बेन्च) की चौड़ाई की सतह को ब्लैक टॉप द्वारा सील किया जाए।
3. ढालों की स्थिरता को बनाए रखने के लिए मार्ग के उत्थरण से प्राप्त मलवे को निचले ढालों में कदापि न डाला जाए अन्वथा इसका सुरक्षित निपटान किया जाए।
4. मार्ग निर्माण हेतु रिटेनिंग / ग्रेस्ट वॉल का निर्माण समुचित परिकल्प के आधार पर किया जाए।
5. मार्ग में जल निकास (सामानान्तर एवं पार) की समुचित व्यवस्था की जाए। हिल साइड ड्रेन का आकार सामान्य से दो गुना रखा जाए एवं निकास जल का सुरक्षित निपटान किया जाए।
6. प्रस्तावित मार्ग के ढालों की स्थिरता को बनाए रखने के लिये इनपर वेटीवर ग्रास को रोपा जाए।
7. पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के लिए निर्धारित सिविल अभियान्त्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का पालन किया जाए।
8. अन्य कोई उपाय जो मार्ग निर्माण हेतु आवश्यक हों किए जाए।

5. निष्कर्ष:- समरक्षण स्थल पर किए गए भूगर्भीय अध्ययन के आधार पर उपरोक्त सुझाव का अनुपालन करते हुए प्रस्तावित जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग (लम्बाई-3.00 किमी) का समरक्षण नव निर्माण कार्य हेतु उपयुक्त पाया गया है।

Photo Copy Attested


सहायक अभियन्ता
प्रान्तीय हाइड्रोलाॉनिक
रुद्रप्रयाग


(विजय संगवाल)
वरिष्ठ भू-वैज्ञानिक
कार्यालय प्रमुख अभियन्ता एवं विभागाध्यक्ष,
लोक निर्माण विभाग, देहरादून।

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

भू-वैज्ञानिक / जिला टॉस्क फोर्स की संस्तुतियों का अनुपालन किये जाने का प्रमाण-पत्र।

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना हेतु भू-वैज्ञानिक / जिला टॉस्क फोर्स द्वारा दिये गये सुझावों / शर्तों का निर्माण कार्य के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा पूरी तरह अनुपालन किया जायेगा।



कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग



सहायक अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग



अधिशारी अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
शान्तीय खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग

Task Force Certificate

- (i) Lay out of the Land-be followed as far as possible.
- (ii) Heavy cutting/filling be avoided-as far as possible. The technology of cut and fill method is to be adopted. Steep hill slopes also to be avoided.
- (iii) Unstable/slide-prone areas to be avoided. For identifying such areas the advice of Geotechnical engineers and geologists to be taken during the survey for alignment.
- (iv) Comparison of various possible alignments with reference to erosion potential be made and the alignment involving minimum erosion risks be preferred.

A part from the stage of planning the road alignment, effective steps are also required to be taken by ground engineer during the process of road construction for minimized ecological disturbance to the hill roads Broadly the measures to be taken have been identified as :-

- (i) Cut and fill method to be adopted while excavating for road formation and heavy earth cutting is to be avoided Box cutting is to be avoided to the extent possible.
- (ii) (ii) Blasting by explosives is to be restricted to the minimum. Lay out of holes to be drilled for blasting is to be planned keeping in view the line of least resistance and the existence of joints Controlled blasting should be repeated using low charge and care be taken to avoid activating slide zones or widening fissures and cracks in rock. Use of delay detonators in large scale blasting work is to be made for anaoline dispersion of chock waves, so that minimum disturbance is caused to the rock stratum as a result of the blasting process.
- (iii) (iii) All cut slopes, unusable hill side and slide prone erosion prone areas are to be provided with suitable correction measures by using one or the other of the techniques developed by CRRI. Several techniques have been sponsored by CRRI, like simple vegetative turning, bitumen much treatment and slide treatment by jute netting coir netting of these simple vegetative turning seems to be the most appropriate preventive measure in many situations. This should be established in the denuded slopes immediately after the excavation is made
- (v) Adequate drainage measures and protective structures like intercepting catch water drains, longitudinal drains/culvers, breast walls, retaining and the walls are provided for purposes of establishing the slips Growth vegetative cover is stimulated in the disturbed hill slopes above the road level by planting suitable fast growing shrubs and plants. In certain selected unstable areas terraced afforestation has also been plasticized as a stabilizing measure with good results.
- (vi) Over the past few years the roads wing of the Ministry of Shipping and transport has issued instruction laying down broad guidelines and check list of the preparation of road construction projects which provide an inbuilt mechanism of tackling land slides/erosion control for the guidance and follow up action by engineers of state 'PWD' Border Roads Organization and other engaged in construction of hill roads these should be observed.

प्रमाणित किया जाता है कि योजना आयोग द्वारा गठित टास्क फोर्स की उपरोक्त संस्तुतियाँ याचक विभाग को मान्य हैं।


कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग


सहायक अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग


अधिशाली अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
प्रान्तीय खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग

परियोजना का नाम : जनपद रुद्रप्रयाग के विकास खण्ड जखोली में मुख्यमंत्री घोषणा के अन्तर्गत जैली-मरगांव-तैला मोटर मार्ग के नव निर्माण हेतु लोक निर्माण विभाग को वन भूमि हस्तान्तरण प्रस्ताव, लम्बाई 3.00 किमी०

वन्य जीव/वनस्पतियों को क्षति न पहुँचाये जाने का प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रस्तावित परियोजना के निर्माण कार्य/रख-रखाव के दौरान लोक निर्माण विभाग द्वारा वन्य जीव/स्थानीय वनस्पतियों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाया जायेगा।


कनिष्ठ अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग


सहायक अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग


अधिशोषी अभियन्ता
प्रा० खण्ड लो० नि० वि०
प्रान्तीय खण्ड लो० नि० वि०
रुद्रप्रयाग